Nai Duniya (Indore), 23rd August 2025, Page-04

नवाचार

पिछले वर्ष पेटेंट के लिए महज 33 रिसर्च को भेजा, इस बार 112% की वृद्धि

आइआइटी इंदौर ने अब 70 पेंटेट किए दायर

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी इंदौर) ने पेटेंट फाइलिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष संस्थान ने 70 पेटेंट दायर किए हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या केवल 33 थी। 2023-24 सत्र की तुलना में इस बार पेटेंट फाइलिंग में 112 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस उपलब्धि के साथ ही आइआइटी इंदौर डीप-टेक रिसर्च, ट्रांसलेशनल इनोवेशन और उद्यमिता का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष स्वास्थ्य सेवा से जुड़े नवाचारों पर विशेष रूप से शोध किया गया है, जो आम लोगों की ज़िंदगी में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

स्वास्थ्य सेवा के अलावा, आइआइटी इंदौर के खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग ने भी पहली बार शोध कर पेटेंट फाइल किए हैं। संस्थान अब अंतरिक्ष से जुड़ी नई तकनीकों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। अब तक संस्थान ने कुल 215 पेटेंट दाखिल किए हैं, जिनमें से 102 को मंजूरी मिल चुकी है। इनमें से दो पेटेंट अमेरिका और दो चीन में स्वीकृत हुए हैं। इसके साथ ही, संस्थान ने दो औद्योगिक डिज़ाइन पंजीकरण और तीन ट्रेडमार्क आवेदन भी किए हैं।

आइआइटी इंदौर का नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र इतना सशक्त है कि उद्योग जगत ने इसकी पांच तकनीकों को लाइसेंस किया है। वहीं, स्टार्टअप्स ने 14 अन्य तकनीकों को अपनाया है। यह सब कुछ सरकारी योजनाओं के सहयोग से संभव हुआ है। पेटेंट फ़ाइलिंग में यह तेजी एआइसीटीई की कलाम प्रोग्राम फार इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी लिटरेसी एंड अवेयरनेस (कपिला योजना) की मदद से संभव हुई है। अप्रैल 2023 से सितंबर 2024 के बीच दाखिल किए गए अधिकांश पेटेंट इसी योजना के अंतर्गत दर्ज किए गए हैं। इस योजना के तहत छात्रों और शिक्षकों को आर्थिक और तकनीकी सहायता प्राप्त हुई है।

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा कि यह वृद्धि केवल संख्यात्मक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह हमारे गहरे तकनीकी विकास और उद्यमशीलता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नवाचार राष्ट्र निर्माण का प्रमुख स्तंभ है। अनुसंधान एवं विकास के अधिष्ठाता प्रो. अभिरूप दत्ता ने कहा कि पेटेंट फ़ाइलिंग में पिछले वर्ष की तुलना में 112 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। संस्थान गंभीर सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों को हल करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम बौद्धिक जिज्ञासा और ट्रांसलेशनल रिसर्च को और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।